वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 72 | सोमवार 10 जुलाई 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

भोलेनाथ के भक्तों से नहीं वसूला जाएगा पार्किंग शुल्क

जयपुर हेरिटेज मेयर मुनेश गुर्जर ने जारी किए आदेश, सोमवार को होगा विशेष श्रृंगार

जयपुर. कासं। जयपुर नगर निगम द्वारा सावन महीने में भोलेनाथ के भक्तों को बड़ी राहत दी गई है। जयपुर के चौड़ा रास्ता स्थित ताड़केश्वर जी मंदिर में दर्शन करने वाले भक्तों को अब पार्किंग शुल्क नहीं देना पड़ेगा। नगर निगम हेरिटेज प्रशासन द्वारा पार्किंग ठेकेदारों को इसके आदेश जारी कर दिए गए हैं। नगर निगम हेरिटेज मेयर मुनेश गुर्जर ने कहा- चौड़ा रास्ता स्थित ताड़केश्वर जी मंदिर जयपुरवासियों की आस्था का प्रमुख केंद्र है। पिछले दिनों कुछ भक्तों द्वारा मुझे बताया गया था कि मंदिर में दर्शन करने के लिए भी 30 रुपए पार्किंग शुल्क लिया जा रहा है। इसके बाद मैंने नगर निगम अधिकारियों से बातचीत कर सावन महीने में भक्तों के वाहनों को फ्री पार्क करने के आदेश दिए हैं। ताकि मंदिर में आने वाले भक्तों पर किसी भी तरह का आर्थिक भार नहीं पड़े। मेयर ने कहा- चौड़ा रास्ता की पार्किंग व्यवस्थाओं की मॉनिटरिंग के लिए रेवेन्यू ऑफिसर को नियुक्त किया गया है। जो ठेकेदारों की मॉनिटरिंग के साथ मंदिर में आने वाले भक्तों की सुविधाओं का ध्यान रखेंगे।

31 अगस्त तक चलेगा सावन

पंचांग के अनुसार इस साल सावन का महीना 4 जुलाई से शुरू होकर 31 अगस्त तक चलेगा। ऐसे में इस साल सावन लगभग 2 महीने का होगा। पंचांग के अनुसार 19 साल बाद ऐसा योग बन रहा है। जब सावन पर बहुत ही खास संयोग बन रहा है। इसमें 8 सोमवार को व्रत किए जाएंगे। सावन का पहला सोमवार 10 जुलाई और आखिरी सोमवार 28 अगस्त को पड़ेगा। दरअसल, इस बार 18 जुलाई से 16 अगस्त तक सावन अधिकमास रहने वाला है। यानी इस बार 18 जुलाई से 16 अगस्त तक मलमास रहेगा। यानी इस बार सावन में भगवान शिव के साथ साथ भगवान विष्णु की भी कृपा प्राप्त होगी।

पैरा-स्पोर्ट्स वर्ल्ड कप में अवनी का कमाल

गोल्ड के बाद मिक्स्ड इवेंट में जीता सिलवर मेडल, कहा- 2 दिन रहे शानदार

जयपुर. कासं। ओजिसेक में आयोजित वर्ल्ड शूटिंग पैरा स्पोर्ट्स वर्ल्ड कप में भारत की गोल्डन गर्ल अवनी लेखरा का जादू बरकरार है। अवनी ने R10 10 मीटर एयर राइफल स्टैंडिंग मिक्स्ड इवेंट में महाराष्ट्र के स्वरूप एम उन्हालकर के साथ मिलकर सिलवर मेडल जीत एक बार फिर भारत का नाम रोशन किया है। इससे पहले अवनी ने शुक्रवार को अवनी ने R-2 10 मीटर एयर राइफल चैंपियनशिप में स्लोवाकिया की वेरोनिका और यूक्रेन इरीना को हराकर गोल्ड मेडल अपने नाम किया था। वहीं जयपुर के जगतपुरा की रहने वाली अवनी लेखरा ने कहा कि R10 10 मीटर एयर राइफल स्टैंडिंग मिक्स्ड इवेंट में सिलवर मेडल जीतकर बहुत खुश हूं। ओसिजेक 2023 WSPS वर्ल्ड कप में पहले 2 दिन शानदार रहे है। आगे भी अपने प्रदर्शन को और बेहतर बनाने की कोशिश करुँगी। गौरतलब है कि अपने शानदार खेल की बदौलत अवनी लेखरा को अब तक पद्मश्री मेजर, ध्यानचंद खेल रत्न, यंग इंडियन ऑफ द ईयर, पैरा एथलीट ऑफ द ईयर समेत कई पुरस्कार मिल चुके हैं। उद्योगपति आनंद महिंद्रा ने भी उनके लिए एक स्पेशल UV-700 कस्टमाइज करवा उन्हें गिफ्ट की थी। जिसे अवनी कई बार चलाती हुई भी नजर आ चुकी है। जबकि राजस्थान सरकार ने भी अपनी को नगद पुरस्कार के साथ ही वन विभाग में एसीएफ के पद पर नियुक्ति दी थी। वहीं महिला एवं बाल विकास विभाग ने उन्हें बेटी बचाओ और बेटी पढ़ाओ की ब्रांड एंबेसडर बना रखा है। इससे पहले अवनी लेखरा ने टोक्यो में खेले गए पैरालिंपिक

गेम्स 2020 में शानदार प्रदर्शन करते हुए 10 मीटर एयर राइफल एसएच-1 स्पर्धा में गोल्ड मेडल जीता था। उन्हें 50 मीटर राइफल में ब्रॉन्ज भी मिला था। वे पैरालिंपिक में 2 मेडल जीतने वाली भारत की पहली पैरा एथलीट हैं। अवनी लखेरा 11 साल की उम्र में एक कार हादसे का शिकार हो गई थीं और उनकी रीढ़ की हड्डी टूट गई थी। इस एक्सीडेंट की वजह से वे डिप्रेशन में भी चली गई थीं। ऐसे में पिता ने खेलों में हिस्सा लेने का सुझाव दिया। फिर अवनी ने बीजिंग ओलिंपिक गेम्स के गोल्ड मेडलिस्ट अभिनव बिंद्रा की बायोग्राफी 'अ शॉट एट हिस्ट्री' पढ़ी। इसके बाद शूटिंग के प्रति वो और ज्यादा गंभीर हो गईं। अवनि ने 2015 में जयपुर के जगतपुरा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स से शूटिंग की ट्रेनिंग शुरू की।

भाजपा की विजय संकल्प बैठक आज से

दो दिन सवाईमाधोपुर में जुटेंगे भाजपा के दिग्गज, राजस्थान विजय का लेंगे संकल्प

जयपुर. कासं

अगले दो दिन तक सवाई माधोपुर में भाजपा के दिग्गज नेता एक जगह जुटेंगे और आने वाले विधानसभा चुनाव के लिए विजय का संकल्प लेंगे। सवाई माधोपुर में भाजपा की चिंतन बैठक होगी। इस बैठक को विजय संकल्प का नाम दिया गया है। बैठक में सबसे प्रमुख एजेंडा आगामी विधानसभा चुनावों पर फोकस करने का है। इस दौरान इन बैठकों में राजस्थान में भाजपा की सरकार बनाने को लेकर मंथन किया जाएगा। यह बैठक भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष लेंगे।

पीएम मोदी ने बीकानेर की सभा से भाजपा का चुनावी नैरेटिव तय कर दिया है। विधानसभा चुनावों में भाजपा राज्य में भ्रष्टाचार, रेप, पेपर लीक और तुष्टीकरण के मुद्दों के इर्द-गिर्द ही लड़ेगी। ऐसे में चिंतन बैठक में इसे लेकर भी आगामी रणनीति पर चर्चा हो सकती हैं। चिंतन बैठक में जो लाइन तय होगी, उसके आधार पर ही आगामी चार महीनों में प्रदेश भाजपा की कार्ययोजना बनेगी। बैठक में संगठन को मजबूत व सक्रिय करने पर भी चर्चा होगी। साथ ही पीएम मोदी की योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाने की रणनीति पर भी चर्चा की जाएगी। इसके अलावा प्रदेश भाजपा की आपसी खींचतान व गुटबाजी पर लगाम लगाने के लिए भी बैठक में कड़ा संदेश दिया जा सकता है। बैठक का उद्घाटन सत्र शाम 4 बजे किया जाएगा, जिसमें करीब 6 सत्र होंगे। चिंतन बैठक में प्रदेश कोर कमेटी के नेताओं, प्रदेश उपाध्यक्ष, प्रदेश महामंत्री के अलावा विशेष आमंत्रित सदस्यों को भी बुलाया गया है। प्रदेश कोर कमेटी में सीपी जोशी, वसुंधरा राजे, राजेन्द्र राठौड़, ओम प्रकाश माथुर, गजेन्द्र सिंह शेखावत, कैलाश चौधरी, अलका गुर्जर, सतीश पूनिया, राजेन्द्र गहलोत, प्रभारी अरुण सिंह, सह प्रभारी विजया राहटकर और संगठन महामंत्री चंद्रशेखर सहित 16 सदस्य हैं। जो बैठक में शामिल होंगे।

"जैन सोश्यल ग्रुप सीकर" एवं 'ढंड डायबिटीज केयर जयपुर' के संयुक्त तत्वाधान में "निःशुल्क स्वास्थ्य एवं मधुमेह जांच व जागरूकता शिविर" में लोग हुए लाभान्वित

जैन भवन में हुए आयोजन में 325 लोगों ने करवाई जांच। डॉ. सुनील ढंड ने टांक शो में चर्चा के दौरान बताए डायबिटीज से बचाव हेतु कई घरेलू व आसान उपाय। शिविर में 325 मरीजों की हुई विभिन्न जांचे

सीकर. शाबाश इंडिया

जैन सोश्यल ग्रुप सीकर एवं ढंड डायबटीज केयर जयपुर के संयुक्त तत्वाधान में रविवार को जैन भवन परिसर में ''निःशुल्क स्वास्थ्य एवं मधुमेह जांच व जागरूकता शिविर'' का आयोजन किया गया । अध्यक्ष मनोज बाकलीवाल व मंत्री अंकुर छाबड़ा ने बताया कि शिविर में कुल 325 मरीज लाभान्वित हुए। संयोजक पंकज दुधवा व जयंत पाटोदी ने बताया कि शिविर सुबह 8:00 बजे प्रारंभ हुआ जिसके पश्चात रजिस्ट्रेशन करके ब्लड शुगर, तीन महीने की औसत शुगर, लिपिड प्रोफाइल, ब्लड प्रेशर, बीएमआई , हड्डियों की जांच , लीवर जांच , आंखों के पर्दे की जांच, न्यूरोपैथी, थायराइड जांच सहित विभिन्न जांचे मेडिकल टीम द्वारा की गई।संयोजक सुनील पहाड़िया व विकास लुहाड़िया ने बताया कि इस शिविर में एंडोक्रिनोलॉजिस्ट मधुमेह, थायराइड और मेटाबोलिक रोग से ग्रसित रोगियों ने प्रसिद्ध चिकित्सक डा. सुनील ढंड से परामर्श प्राप्त किया। मीडिया प्रभारी विवेक पाटोदी ने बताया कि कार्यक्रम के प्रारंभ में डा. सुनील ढंड , एंकर वर्तिका जैन व जैन समाज के शशि दीवान , विनोद जयपुरिया , पंडित जयंत शास्त्री , किशोर संगही द्वारा दीप प्रज्ज्वलित किया गया । टांक शो से पूर्व डॉक्टर सुनील ढंड द्वारा उपस्थित जनसमूह को अच्छे और निरोगी जीवन हेतु कई टिप्स दिए । मॉडरेटर वर्तिका जैन (टीवी आर्टिस्ट) के साथ विशेष टॉक शो में डा. सुनील ढंड द्वारा डायबिटीज से बचाव हेतु उपाय बताए गए , साथ ही आज के असंतुलित खानपान और स्ट्रेस की परेशानी से बचाव हेतु उपयोगी टिप्स दिए।उन्होंने बताया कि डायबिटीज से बचने के लिए सही खानपान और समय पर खाना बेहद जरूरी है। साथ ही जीवनशैली भी सही होनी चाहिए। शिविर के दौरान डायटिशियन डा. पंकज शर्मा ने भी अपनी सेवाए प्रदान की एवं मरीजों को उचित सलाह प्रदान की ।शिविर में जैन सोश्यल ग्रुप सीकर के सभी पुरुष व महिला सदस्यो ने अपना सहयोग प्रदान किया। 'रोशनी' प्रोजेक्ट द्वारा डायबिटीज के अंधकार को दूर करने हेतु निरंतर चलाया जा रहा विशेष प्रयास है। इस दौरान ''बी हेल्थी बी स्ट्रॉन्ग'' पोस्टर प्रतियोगिता भी आयोजित हुई , जिसमे बच्चो द्वारा पोस्टर बनाकर बेहतर जीवन हेतु संदेश दिया।

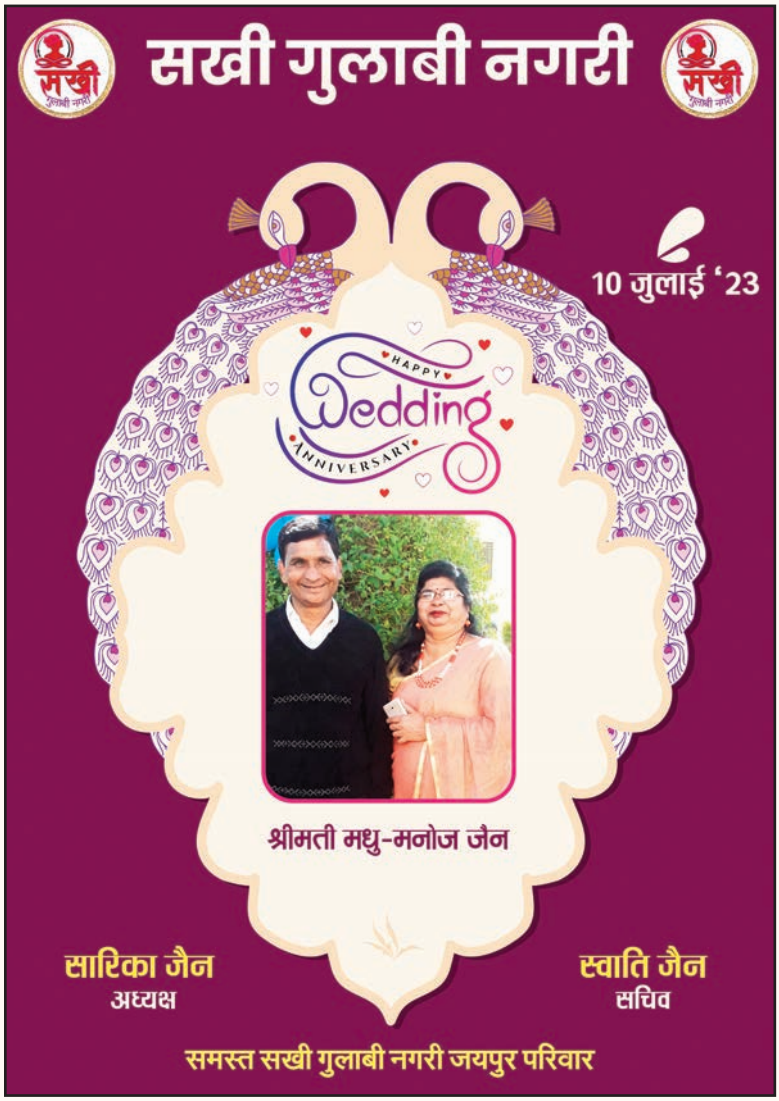

सहकारी भूमि विकास बैंक सीकर के अध्यक्ष पद पर निर्विरोध निर्वाचित होने पर कैलाश चंद्र तिवाड़ी का अभिनंदन किया

सुधीर शर्मा. सीकर

रविवार को श्री गुर्जरगौड़ ब्राह्मण समाज समिति, सीकर के पदाधिकारियों ने श्री तिवाडी का साफा व माला पहनाकर स्वागत, अभिनंदन किया। समिति के अध्यक्ष महावीर प्रसाद कलवाडिया, महासचिव बाबूलाल सिंवाल, कोषाध्यक्ष विनोद तिवाडी, सहायक सचिव अमरकांत तिवाडी, संरक्षक सत्यनारायण जोशी, संयोजक अरविंद गील, मीडिया प्रभारी संजय सिंवाल, समाजसेवी महिपाल तिवाडी, विनोद डीडवानिया व दीपक तिवाड़ी आदि समाज बंधु इस अवसर पर उपस्थित थे। खुशी के मौके पर सभी ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर मुंह मीठा कराया व शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर श्री कैलाश चंद्र तिवाडी ने कहा कि वह किसानों के हितों के लिए सदैव तत्पर रहेंगे व सहकारी बैंक की विभिन्न योजनाओं व ऋण वितरण के माध्यम से बैंक के ग्राहकों के उत्थान के लिए लगन व मेहनत से कार्य करेंगे। उन्होंने उपस्थित सभी महानुभावों का आभार प्रकट करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

शाही लवाजमा से साथ निकाली महर्षि पराशर जी की 76 वीं शोभायात्रा

जयपुर. शाबाश इंडिया। पारीक महासभा समिति जयपुर के बैनर तले पारीक समाज के जनक ज्योतिष विद्या के रचयिता महर्षि पराशर जी की 76 वीं शोभायात्रा निकाली गई। शाही लवाजमे के साथ निकली शोभायात्रा से आसपास का क्षेत्र भक्ति और आस्था के रंग में डूब गया। शोभायात्रा की शुरूआत में पूर्व विधायक सरेन्द्र पारीक,पारीक महासभा समिति के अध्यक्ष केके पारीक,महासचिव लक्ष्मीकांत पारीक व पारीक समाज के प्रबुद्धजनों ने महर्षि पराशर जी की आरती की। शोभायात्रा श्री ठाकुर जी गोपाल जी महाराज पारीक पंचायती मंदिर बारह भाइयो का चैराहा से प्रारंभ हुई जगह-जगह पर समाज के गणमान्य व्यक्तियों ने शोभायात्रा का स्वागत किया। शोभायात्रा का मुख्य आकर्षण शोभायात्रा का प्रदूषण मुक्त होना व 301 महिलाओं का एक ही परिधान में होना रहा। शोभायात्रा का विसर्जन नादर जी के मंदिर राजा शिवदास जी के रास्ते में हुआ,जहाँ समाज की आमसभा हुई जिसमें दहेज रहित शादी व महंगी शादियों पर रोक का प्रस्ताव रखा गया। जिसके पश्चयात बंधुओं ने प्रसादी का आनंद लिया। इसीदिन साम को बनीपार्क स्थित पारीक कॉलेज बनीपार्क के पराशर मंदिर में महाआरती की गई।

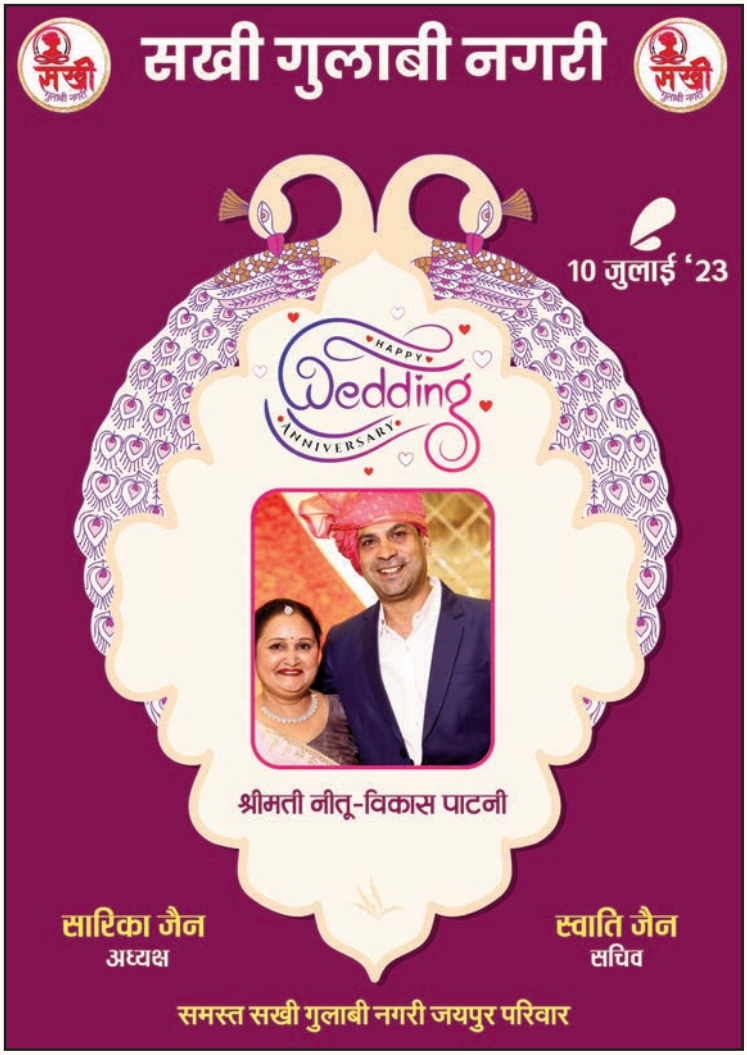

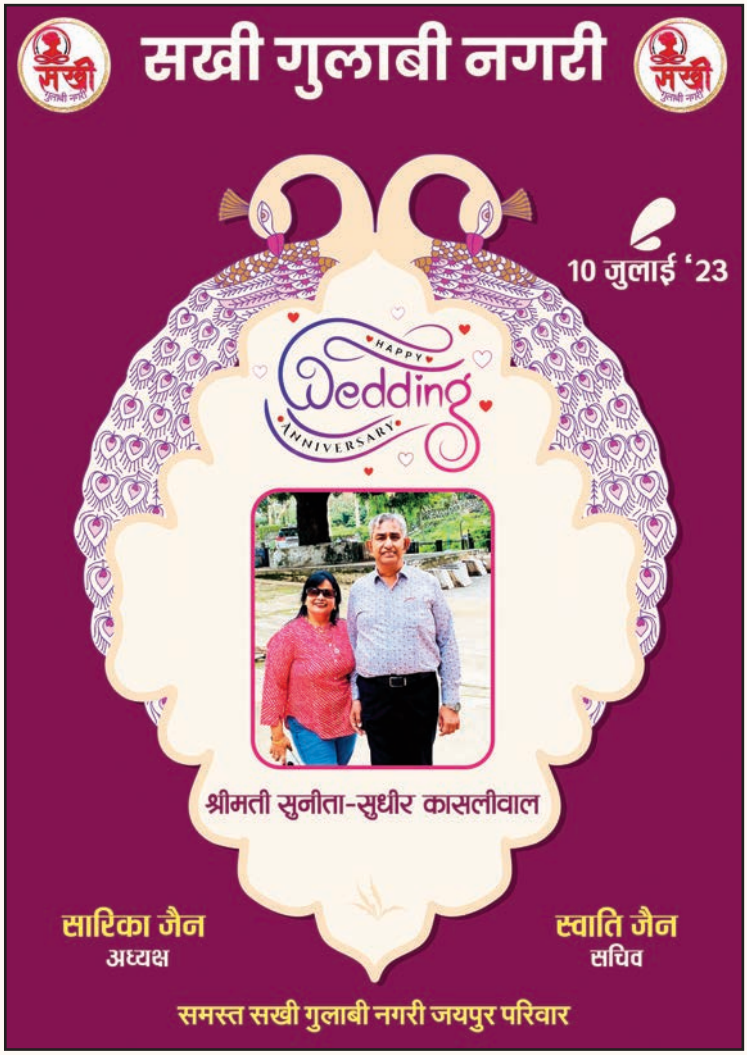

वेद ज्ञान

मनुष्य की महानता कर्मों से

मनुष्य की महानता उसके कर्मों से ही है। जो व्यक्ति अच्छे कर्म करता है, वह समाज के लिए आदर्श स्थापित करता है और सभी उसका अनुसरण करते हैं। इसके विपरीत दुष्ट आचरण वाले व्यक्ति को कहीं इज्जत नहीं मिलती और सभी लोग उससे दूर ही रहना चाहते हैं। गीता में कहा गया यह संदेश पूरी तरह से सत्य है कि कर्म करते हुए मनुष्य को फल की इच्छा नहीं करनी चाहिए, लेकिन प्रत्येक मनुष्य को इसका ध्यान तो रखना ही चाहिए कि उसके कर्म की गति क्या है? यदि हमारे कर्म की गति सत्य होगी तो निश्चित तौर पर उसके परिणाम भी सकारात्मक होंगे। इसी तरह यदि हम असत्य की राह पर चलेंगे तो हमें वैसे ही फल की उम्मीद करनी चाहिए। यानी हम बबूल का पेड़ बोएंगे तो उस पर हमें आम लगने की उम्मीद नहीं करनी चाहिए। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी कहते हैं कि सही उद्देश्य के लिए किया गया प्रत्येक कार्य सद्फल को प्राप्त होता है। दरअसल मनुष्य की महानता इस बात में है कि वह दूसरे मनुष्यों की भी अपने तरह मनुष्य माने और उसी भाव से उनकी सेवा करें। मनुष्य की महानता उसकी एकता में ही निहित है। जो व्यक्ति निर्बल और कमजोरों पर अत्याचार करता है वह कायर है, जबकि जो व्यक्ति कमजोर लोगों की मदद करता है वही महानता का अधिकारी है। मनुष्य यदि मनुष्य के काम न आए तो उसका मनुष्य होना एक अभिशाप है, कलंक है। मनुष्य महानता का गुण अपने आसपास की प्रकृति से ग्रहण कर सकता है। कुछ बच्चे आम के पेड़ से फल तोड़ने के लिए पत्थर फेंक रहे थे। उसी पेड़ के नीचे एक महात्मा ध्यान लगाए बैठे थे। इसी बीच एक पत्थर उनके माथे पर आ लगा तो बच्चे भागने लगे। महात्मा ने उन्हें रोका और उनसे क्षमा मांगी। बच्चे अचरज में पड़ गए, क्योंकि दंड उन्होंने किया था, जबकि क्षमा महात्मा मांग रहे थे। तब महात्मा ने उनसे कहा कि मैं तुमसे इसलिए क्षमा मांग रहा हूं, क्योंकि इस पेड़ को पत्थर मारने पर यह तुम्हें खाने को आम देगा, लेकिन मैं तुम्हें कुछ नहीं दे सकता। कहने का सार यही है कि मनुष्य की महानता पेड़-पौधों, नदियों, सूरज, चांद-सितारों की तरह परोपकार करने में ही है। जो व्यक्ति परोपकार की भावना नहीं रखता उनके लिए यह कहानी एक सबक है।

संपादकीय

सुरक्षा के प्रति लापरवाही बन सकती है खतरा

पिछले कुछ समय से खालिस्तान समर्थक तत्त्वों की ओर जैसे हालात पैदा किए जा रहे हैं, अगर वक्त रहते जरूरी कदम नहीं उठाए गए तो शायद एक बार फिर चुनौती जटिल हो जा सकती है। खासतौर पर हाल के दिनों में कनाडा, ब्रिटेन और अमेरिका में स्थित दूतावासों के सामने जैसे जोखिम खड़े हुए हैं, उसके मद्देनजर भारत का चिंतित होना स्वाभाविक ही है। यही वजह है कि भारत ने इन देशों में खालिस्तानी तत्त्वों की गतिविधियों और हिंसा फैलाने की घटनाओं को अस्वीकार्य करार दिया है। गुरुवार को भारत की ओर से साफ शब्दों में कहा गया कि दूसरे देशों में अपने राजनयिकों और मिशन की सुरक्षा करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और संबंधित देशों से वियना संधि के मुताबिक दूतावासों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की उम्मीद की जाती है। हालांकि भारत को यह चिंता जताने की जरूरत पड़ी, यही अपने आप में उन देशों के लिए विचार का मसला होना चाहिए कि नियमों के अनुरूप हर

स्तर पर सुरक्षा का भरोसा दिलाने के बावजूद वहां भारतीय दूतावासों के सामने जोखिम के हालात कैसे पैदा हुए। गौरतलब है कि वियना संधि के मुताबिक कूटनीतिक संबंधों के मामले में कई ऐसे नियम हैं, जिनके तहत दूतावासों की इमारतों और उनमें काम करने वाले लोगों को मेजबान देशों की ओर से सुरक्षा मुहैया कराई जाती है। इससे जुड़े नियमों की बाध्यता यहां तक है कि अगर दो देशों के बीच किसी मसले पर बेहद तनाव की स्थिति भी हो, तब भी कोई देश संबंधित देश के उच्चायोग या वहां नियुक्त राजनयिकों और अन्य कर्मचारियों की सुरक्षा का बंदोबस्त करता है। हैरानी की बात यह है कि जिस दौर में भारत और अमेरिका के संबंधों में नए आयाम देखे जा रहे हैं, उसके बीच भी कुछ दिन पहले अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को में भारतीय वाणिज्य दूतावास में खालिस्तानी कट्टरपंथियों ने आगजनी की। साफ है कि बिना सुरक्षा में चूक के दूतावास जैसी सुरक्षित इमारत में दाखिल होकर आग लगाने में किसी को कामयाबी नहीं मिल सकती। यह तब है जब अमेरिका में आतंकवादी हमलों की आशंका से लेकर अन्य कई संवेदनशील मामलों के मद्देनजर बरती जाने वाली उच्च स्तरीय चौकसी के तहत दुनिया में सबसे सख्त सुरक्षा व्यवस्था का दावा किया जाता है। दरअसल, कनाडा, ब्रिटेन, अमेरिका और आस्ट्रेलिया जैसे कुछ देशों में भी खालिस्तान के समर्थकों के ताजा उभार ने भारत के लिए चिंता पैदा की है। इन देशों में कभी भारतीय राजनयिकों के खिलाफ हिंसा भड़काने वाले पोस्टर लगा दिए जाते हैं तो कभी सीधे हिंसा करने की कोशिश की जाती है। ऐसे में दूतावासों में राजनयिकों और कर्मचारियों के सामने कई तरह के खतरे पैदा हो रहे हैं। यही वजह है कि भारत ने नई दिल्ली में कनाडा के राजदूत को तलब भी किया और कनाडा में खालिस्तान समर्थक तत्त्वों की बढ़ती गतिविधियों पर आपत्ति जताने वाला पत्र भी जारी किया गया। सवाल है कि अगर दूतावासों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी संबंधित देश की है, तो उसमें कहां और क्यों चूक हो रही है कि भारत को इसके लिए अलग से चिंता जताने की जरूरत पड़ रही है।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

संकीर्ण सोच

मध्यप्रदेश में एक व्यक्ति के आदिवासी युवक के ऊपर लघुशंका करने की तस्वीर आने के बाद स्वाभाविक ही समाज में जड़ें जमाकर बैठी मध्ययुगीन सोच को लेकर चिंता जताई जा रही है। हालांकि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है, उसके घर पर बुलडोजर चला कर अवैध निर्माण ढहा दिया गया है। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने उस आदिवासी युवक के पांव पखारे और उससे माफी भी मांगी। मगर यह सवाल अपनी जगह है कि क्यों समाज में इस तरह की मानसिकता जड़ें जमाए बैठी है कि तथाकथित ऊंची जाति के लोग मौका मिलते ही किसी दलित, किसी आदिवासी की अस्मिता को कुचलने, उसका मान मर्दन करने में तनिक संकोच नहीं करते। बताया जा रहा है कि आदिवासी युवक पर लघुशंका करने वाला आदमी मध्यप्रदेश के एक विधायक का प्रतिनिधि है। जिस विधायक का प्रतिनिधि बताया जा रहा है, उस विधायक पर खुद भी दबंगई और आदिवासियों की जमीन हड़पने, अपनी आलोचना करने वाले पत्रकारों-संस्कृति कर्मियों-बुद्धिजीवियों के दमन आदि के अनेक आरोप लगते रहे हैं। जाहिर है, उनके प्रतिनिधि को इस तरह का कुकृत्य करने का साहस वहां से भी मिला होगा। सत्ता की ताकत मिलने के बाद इस तरह कानूनों की धज्जियां उड़ाने का यह अकेला उदाहरण भी नहीं है। हालांकि दलितों, आदिवासियों के मानवाधिकारों, उनके मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करने के खिलाफ कड़े कानून हैं, मगर अक्सर सवर्ण कही जाने वाली जातियों के रसूखदार लोगों को उन कानूनों की धज्जियां उड़ाते देखा जाता है। यह केवल राजनीतिक ताकत हासिल कर चुके लोगों में नहीं, सामान्य लोगों में भी तथाकथित उच्चता के दंभ की वजह से प्रकट होता रहता है। इसकी एक वजह यह भी है कि कानून का पालन कराने वालों में बहुसंख्यक वही लोग हैं, जो समाज की उच्च कही जाने वाली जातियों से संबंध रखते हैं। इसीलिए अक्सर दलितों, आदिवासियों के खिलाफ जब अत्याचार की कोई घटना होती है तो अक्सर थानों में उसकी प्राथमिकी दर्ज करने में टालमटोल किया जाता है। अनेक बार बलात्कार की शिकार दलित महिलाओं को समझा-बुझा या डरा-धमका कर मामले को रफा-दफा करने का प्रयास किया जाता है। इस तरह एक भरोसा ऐसी जातियों के लोगों के मन में बना हुआ है कि अगर वे दलितों, आदिवासियों के साथ कुछ अमानवीय व्यवहार करते भी हैं, तो उन्हें कोई कठोर सजा नहीं मिलने वाली। मध्यप्रदेश में जिस व्यक्ति को आदिवासी युवक पर लघुशंका करते देखा गया, वह भी समाज की इसी संकीर्ण सोच से अनुप्राणित है। इसलिए बेशक उसे गिरफ्तार कर लिया गया है, उसके घर के कुछ हिस्सों को बुलडोजर से गिरा दिया गया है, मगर इससे उसकी सोच भी बदल गई है, इसकी गारंटी नहीं दी जा सकती। विचित्र है कि पढ़-लिख कर ओहदा हासिल कर लेने और राजनीतिक रसूख पा जाने के बाद भी जब लोगों की ऐसी मानसिकता नहीं बदलती, तो समाज में तथाकथित नीची कही जाने वाली जातियों के प्रति सदियों से जड़ें जमाई सोच को बदलना कितना आसान होगा। इस दिशा में राजनीतिक इच्छाशक्ति का सर्वथा अभाव दिखता है।

कर्नाटक में हुई जैनाचार्य की हत्या की जयपुर में विराजमान जैन संतों ने की निंदा, कहा - ''धर्म के प्रचारकों की रक्षा करे सरकार''

जयपुर. शाबाश इंडिया

कर्नाटक में 5 जुलाई को दिगंबर जैन आचार्य काम कुमार नंदी महाराज का अपहरण कर निर्मम हत्या करने का मामला तूल पकड़ने जा रहा है, इस घटना के बाद से लगातार जैन समाज संतों की सुरक्षा की मांग कर रहा है। रविवार को राजधानी जयपुर में विराजमान जैन आचार्यों ने भी घटना की निंदा करते हुए कहा की ''आज लोगों के निजी स्वार्थ के चलते धर्म के प्रचारकों के साथ घटनाएं हो रही कभी सड़क दुर्घटना में साधुओं को मारा जा रहा है तो कही साधुओं का अपहरण कर निर्मम हत्याएं की जा रही है, सरकार को अहिंसा के पुजारियों की सुरक्षा को लेकर कड़े कदम उठाने चाहिए और संतों की सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए।'' अखिल भारतीय दिगंबर जैन युवा एकता संघ अध्यक्ष अभिषेक जैन बिट्टू ने कहा की कर्नाटक में जैन साधु की हत्या एक राजनीतिक षडयंत्र है, क्योंकि इससे पूर्व में भी जैन साधुओं की हत्याओं को अंजाम दिया जा चुका है किंतु आजतक जांच ना होने के चलते ना आरोपियों को पकड़ा गया और ना ही निष्पक्ष जांच की गई। केवल दिगंबर जैन संत ही नही बल्कि श्वेतांबर जैन संतों की भी हत्याएं हो रही है। केंद्र और राज्यों की सरकारों को मिलकर जैन साधुओं की सुरक्षा को लेकर कड़े नियम बनाने चाहिए जिससे साधुओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। आचार्य सौरभ सागर महाराज ने प्रताप नगर सेक्टर 8 के संत भवन में प्रवचन श्रृंखला के दौरान कहा की जैन धर्म अहिंसा का पाठ पढ़ाता है और जैन साधु जगह - जगह पद विहार कर, मानसून के दौरान एक स्थान पर विराजमान रहकर चातुर्मास कर अहिंसा का प्रचार - प्रसार करते है। इन सबके बावजूद अगर अहिंसा के पुजारियों की निर्मम हत्याएं होती रहेगी तो देश में अहिंसा का प्रचार कौन करेगा। सरकारों को इस विषय पर विचार करना चाहिए और संतों की सुरक्षा व्यवस्था करनी चाहिए। आचार्य नवीन नंदी महाराज ने बरकत नगर में रविवार को चातुर्मास कलश स्थापना के दौरान सभा में कहा की आज देश सुरक्षा की दृष्टि से बिल्कुल अलग हट गया है, अगर कोई सुरक्षित है तो वह केवल संत समाज है जो सबसे ज्यादा असुरक्षित है, आए दिन सुनने को मिलता है पद विहार करने के दौरान संतो की सड़क दुर्घटना के नाम पर मृत्यु हो रही है तो कही संतो का अपहरण कर हत्या की जा रही है। कुछ वर्षो से इस तरह की घटनाओं में इजाफा हुआ है, गुजरात के गिरनार में कुछ वर्षो पहले मुनि प्रार्थना सागर महाराज पर कातिलाना हमला हुआ था, इसी तरह मध्य प्रदेश में भी जैन मुनि की हत्या की खबर सुनने को मिली थी। गुजरात में सड़क हादसों के नाम पर दिगंबर और श्वेतांबर जैन साधुओं की हत्याओं को अंजाम दिया जा रहा है। जिस पर सभी सरकारों को गंभीरता से लेना चाहिए और जैन साधुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए।

महावीर इंटरनेशनल युवा ने गायों को चारा डाला

कुचामन सिटी. शाबाश इंडिया। महावीर इंटरनेशनल युवा के साथ गौसेवा कर प्रसिद्ध गायक कलाकार गौरव जैन ने मनाई वैवाहिक वर्षगांठ मनाई। महावीर इंटरनेशनल युवा द्वारा संस्था के सेवा सप्ताह के दौरान प्रसिद्ध गायक कलाकार गौरव खुशबू पाटनी द्वारा अपनी वैवाहिक वर्षगांठ पर सामरिया सागर गौशाला में गौसेवा की गई। संस्था सचिव विकास पाटनी ने बताया कि इस दौरान पाटनी परिवार से राजकुमार मनोज कुमार, राजकुमारी, सरोज, नीतू पाटनी के साथ संस्था अध्यक्ष आनन्द सेठी, शुभम काला, जितेंद्र विशाल राखी पाटोदी, मनीष सविता अजमेरा, पारस नेहा पहाड़िया, ऋषभ झांझरी, कार्तिक गोयल, पंकज मंजू जैन, उपस्थित रहे। गौमाता के लिए एक ट्रॉली हरा चारा, गुड की व्यवस्था की गई।

आइये अपने लाखों परिवारों को सम्बल दें,

श्रेष्ठ शिक्षा संस्थान बनाएं...

इंजिनियर अरुण कुमार जैन भोपाल, फरीदाबाद.

विगत दिनों एक परम पूज्य मुनिराज का सन्देश आया कि किसी सजातीय बंधु के पुत्र को अमृता विश्व विद्यालय बंगलौर में इंजिनियरिंग में प्रवेश दिलवाना है. मैंने भुवनेश्वर के एक अच्छे संस्थान की चर्चा की, पूज्य श्री ने सन्देश दिया कि जिस बालक ने अपने सुसंस्कारित परिवार में अभी तक आलू प्याज न चखा हो, वह ऐसे किसी संस्थान के भोजनालय में कैसे खाना खा पायेगा, जहाँ उसका सहपाठी उसी के बगल में मांसाहार खाने बैठ जाये. इस दृष्टि से अमृता विश्वविद्यालय के परिसर अच्छे हैं, जहाँ शाकाहारी भोजन ही बनता है.पूज्य श्री से चर्चा के समय मन वेदना से भर गया. हम जैन समाज वाले विश्व के सबसे अधिक सभ्य, शालीन, सुसंस्कृत समाज हैं. अपराध, कुरीतियों, दंगा, फसाद, हिंसक वृतियों से दूर हैं, समृद्ध हैं.सृजनात्मक हैं, हमारे पास देश के श्रेष्ठ सर्वाधिक मंदिर हैं, अब गौशालाएं भी हैं, पूज्य आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज जी की अनुकम्पा से बेटियों के लिए 6 प्रतिभास्थली हैं, पर हमारे पास श्रेष्ठ इंजिनियरिंग कॉलेज, मेडिकल कॉलेज, विविद्यालय क्यों नहीं हैं? श्रेष्ठ लॉ कॉलेज क्यों नहीं हैं? हम अपने बच्चों को पूज्य संतो के माध्यम से श्रेष्ठ बनने के संस्कार देते हैं, हमारे बच्चे भी प्रतिभावान हैं, श्रमशील हैं, फिर इन्हें अपने श्रेष्ठ भविष्य के निर्माण में परेशानी क्यों? अमृता विश्वविद्यालय, पूज्य माता अमृतानंदमयी देवी की कृपाकोर से स्थापित मात्र 45 वर्ष पुराना आध्यात्मिक संस्थान है जो विश्वस्तरीय शिक्षा, चिकित्सा, प्रशिक्षण, सेवा दे रहे हैं. ईसाईयों ने तो पूरे देश में कान्वेंट स्कूलों, हॉस्पिटलों का सुदृण नेटवर्क बना रखा है, जहाँ हमारे सबसे अधिक बच्चे पढ़ते हैं व हम करोड़ों रुपए फीस के रूप में इन ईसाई संस्थानों को देते हैं, यहाँ तक कि इनके काफी शिक्षक भी हमारे परिवारों से हैं जो बच्चों को ईसाई संस्कार देने में लगे हैं.दमोह में हाल ही में हिन्दु, जैन बच्चों को मुसलमान बनाने में रत गंगा जमुना स्कूल अभी सभी की जबान पर है. यदि अवलोकन करें तो विगत 20-30 वर्षों में जैन समाज ने कई हजार मंदिर व तीर्थ बनाये हैं, इनमें कई अरबों, खरबों रुपए की लागत से बने हैं, सुरम्य स्थानों पर हैं.. पर शिक्षा, चिकित्सा, सेवा के क्षेत्र में हम निरंतर पीछे जा रहे हैं. एक सदी पूर्व पूज्य वर्णी जी जैसे संतो ने बड़े व छोटे नगरों में विद्यालय खोले थे, जिनकी सराहना विनोबा जी जैसे संत भी करते थे, लगभग 40-50 वर्षों तक वे समाज के गौरव रहे.. पर आज प्राथमिकता बदल गयी है. सारे जैन सिर्फ और सिर्फ मंदिर की स्थापना हेतु बढ़ चढ़ कर आगे आ रहे हैं. जहाँ कुछ वर्ष पहिले 4 मंदिर थे आज 40 हो गए हैं. सोनगिरी जी, श्री महावीर जी, सम्मेद शिखर जी आदि इनके कुछ उदाहरण हैं, बड़ी लम्बी तालिका है इनकी. एक विद्वान तो 151 फीट ऊँची भगवान जी की अष्टधातु की प्रतिमा गुरुग्राम के निकट बना रहे हैं, जिसमें खरबों की राशि व्यय होंगी व समाज को, बच्चों को, जरुरत मंदो को क्या मिलेगा? जैन समाज के पास श्वेताम्बर तेरापंथ द्वारा स्थापित जैन विश्वभारती विश्व विद्यालय, मांगलायतान अलीगढ उ प्र में, व मुरादाबाद में तीर्थंकर महावीर विश्वविद्यालय हैं, पर उनके स्वरुप, शिक्षा प्रणाली अलग अलग है. इनकी गणना देश के श्रेष्ठ रोजगारोनमुखी संस्थानों में नहीं है. हमें आईआईएम, IIT, NIT, BHU जैसे संस्थान की आवश्यकता है, व हम सभी ऐसे संस्थान बनाने में सक्षम भी हैं. जब ईसाई सात समंदर पार से हमारे देश में लोकप्रिय शिक्षा संस्थान व हॉस्पिटल बना सकते हैं, तो हम तो निश्चित रूप से उनसे अच्छे संस्थान बना सकते हैं. अभी अभी पूरे देश में पूज्य संतो के चातुर्मास की स्थापना हुयी है, विपुल राशि पुण्य प्रभाव से संग्रहित हो रही है. मेरी करवद्ध विनती है सभी पूज्य संतो से कम से कम एक विश्वविद्यालय इस देश को दें, जो श्रेष्ठ शिक्षा दे, श्रेष्ठ संस्कार दे व हमारे बच्चों व उनके माता पिता को लगे कि हमारे प्यारे बच्चे अपने नियम, आराधना के संग वहाँ श्रेष्ठ शिक्षा पा सकें. अमृता विश्वविद्यालय मात्र 45 वर्ष पुरानी संस्था है, जो पूरे विश्व में अपने श्रेष्ठ मूल्यों, आदर्शों, सेवा हेतु जानी जाती है. कई प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति अम्मा के सानिध्य में हर्ष, आनंद व गौरव की अनुभूति करते हैं. हम सौभाग्यशाली हैं कि हमारे यहाँ हजारों दिव्य, भव्य, गौरवशाली संत, माताजी व श्रावक हैं.. फिर बिलम्ब क्यों, मुझे विश्वास है कि इस वर्ष का चातुर्मास ही हमारे संतो, भगवन्तो की कृपा से हमें श्रेष्ठ शिक्षा संस्थान, हॉस्पिटल व प्रतिभाओ को प्रेरित करने वाले उपाय देगा. सभी पूज्य संतो, भगवन्तो के श्री चरणों में कोटिशः नमन करते हुए, विनम्र प्रार्थना. प्रार्थना उन विद्वानों, श्रवकों से भी जो सक्षम हैं, ज्ञानवन हैं, कृपया जब भी गुरु चरणों में जाएं, इस विषय पर सार्थक, समर्पित प्रयास करें व हजारों प्रतिभावान बच्चों के श्रेष्ठ, सुखद, संस्कारवान भविष्य के निर्माण में सहभागिता दें.

पुण्योदय से कर सकते है मंगल कलश की स्थापना : आचार्य नवीन नंदी

बरकत नगर में 14 वां वर्षा योग स्थापित

जयपुर. शाबाश इंडिया

आचार्य नवीन नंदी जी महाराज ने वर्षायोग 2023 की स्थापन क्रिया से पूर्व अपने आशीर्वचन में कहा जैन समाज व्यापारीवर्ग होने के कारण धनाड्य तो है ही साथ सरकार को सर्वाधिक करदाता व अधिकाधिक दान दाता के रूप में सुविख्यात है लेकिन यहाँ यह तथ्य भी निश्चत है कि धार्मिक क्रियाओं सहयोगी बनने के लिए पुर्ण्य का संचय भी आवशयक में है। वर्षायोग में मंगल कलश की स्थापना चऊदवी बार किसी तीर्व पुन्य के बन्ध से ही सम्भव है। इस बार वर्षायोग तथा मंगल कलश के पुण्यार्जक चक्रेश कुमार जैन श्रीमती चेतना जैन CA यथेष्ट श्रीमती एवांशी CA चिन्मय जैन सपरिवार रहे। संयोजक सतीश जैन अकेला मे बताया कि स्थापना समारोह में सर्वप्रथम प्रतिष्ठाचार्य डॉ विमल कुमार जैन के मार्गदर्शन में प्रातः 7 बजे ध्वजारोहण हुआ पश्चात चातुर्मासिक क्रियाए पूज्य आचार्य श्री नवीन नंदी महाराज के द्वारा क्रियान्वित की गई। स्थानीय समाज के अतिरिक्त आज महाराज श्री के भक्तगण वगरू दहमी कला मान सरोवर झोटबाडा जोहरी बाजार बनीपार्क जनकपुरी आदि से बडी संख्या में पधारे वहीं सभी अतिथियो का वर्षायोग व्यवस्था समिति की और से आत्मीय सम्मान किया गया। प्रवध समिति सदस्य एवं संयोजक

मोटीवेशल स्पीकर सौरभ जैन के अनुसार आज प्रारम्भ में पूवार्चार्यों के चित्रों का अनावरण तथा दीप प्रज्जलन श्री दिगम्बर जैन मंदिर बरकत नगर प्रवन्ध समिति के सभी पदाधिकारियों ने किया साथ में आचार्य श्री को शास्त्र भेंट करने का अवसर अरिहन्त महिला मण्डल बाहर से पधारे अतिथियो व पं. विमल कुमार जैन को प्राप्त हुआ। आज गुरुदेव के पाद प्रक्षालन का पुण्य भी चक्रेश कुमार जैन परिवार को प्राप्त हुआ। आज आचार्य श्री विशेष रूप से दुख प्रगट करते हुए कर्नाटक में आचार्य श्री कानकुमार जी मुनिराज की निर्मम हत्या पर उपस्थित समाज से णमोकार का जाप कराते हुए प्रशासन से मांग की कि दोषियो को शीर्घ पकड़कर उनहे उनके घृड़ित कार्य की सजा दिलाए उक्त मुनि श्री आचार्य श्री नवीन नंदी जी के गुरु भाई थे। आगामी विद्यान सभा चुनावो में मालवीय नगर क्षेत्र से प्रवल दावेदार वरिष्ठ कांग्रेस नेता संजय बाफना भी समारोह में पधारे उन्होंने भारतीय जनगणना में जैनों की कम जन संखया दर्शित होते पर चिंता व्यक्त करते हुए इस मार्ग पर समाज से जागरूक होने की अपील की। अन्त में सभी समाज बन्धुओ को स्वल्पाहार पर आमंत्रित किया गया।

धरती के प्रथम शाश्वत तीर्थ अयोध्या का महत्वपूर्ण विकास

''जैन संस्कृति की आन-बान-शान और हमारी पहचान, सर्वाधिक महत्वपूर्ण तीर्थ, शाश्वत तीर्थंकर जन्मभूमि अयोध्या का विकास सर्वोच्च जैन साध्वी दिव्यशक्ति भारतगौरव गणिनीप्रमुख श्री ज्ञानमती माताजी की प्रेरणा से चल रहा है, जिसमें समस्त दिगम्बर जैन समाज को तन-मन- धन से सहयोग देकर पुण्य अर्जित का आह्वान निवेदित है।''

लेखकः डॉ. जीवन प्रकाश जैन, मंत्री

पूरे विश्व भर में जैन समाज की सर्वोच्च साध्वी परमपूज्य गणिनीप्रमुख आर्यिका श्री ज्ञानमती माताजी को साक्षात सरस्वती स्वरूपा कहें या पवित्रतम चरणद्वय से सहित सिद्धहस्त साधिका कहें, उनकी इस शक्ति के साक्षात परिणाम इस देश ने अनेक बार प्रत्यक्ष रूप से देखे, समझे और आभास किए हैं। पूज्य माताजी की शक्ति को चाहे जम्बूद्वीप- हस्तिनापुर तीर्थ में देखें या ऋषभगिरि- मांगीतुंगी तीर्थ के विशाल पर्वत पर अखण्ड पाषाण में विश्व की सबसे ऊँची 108 फुट उत्तुंग भगवान ऋषभदेव प्रतिमा में देखें या फिर उनके द्वारा रचित 500 से अधिक ग्रंथों के विशाल साहित्य समूह में देखें, हर व्यक्ति इन कार्यों से अचम्भित होकर स्तब्ध, आश्चर्य और प्रगाढ़ आस्था के आलोक डूब जाता है। आज 89 वर्षीय अपने योग्य जीवन को 70 वर्षीय साधना से चमत्कार स्वरूप बनाने वाली पूज्य माताजी के ऐसे शक्ति- आभास इस समाज ने समय-समय पर अनेक बार देखें हैं, जब अनूठे, विरले और असंभव जैसे कार्य भी इस धरती पर संभव होते नजर आए हैं। ठीक इसी क्रम में पुनः इस 89 वर्षीय पायदान पर पूरे समाज ने फिर एक बार ऐसा आश्चर्य, चमत्कार और वरदान तब देखा, जब 31 दिसम्बर 2022 को अयोध्या जैन तीर्थ की पावन धरती पर पूज्य माताजी के पवित्र चरणयुगल पड़ते ही यह धरती जाग उठी। परिणामस्वरूप मात्र एक अत्यन्त अल्प अंतराल में ही भगवान ऋषभदेव जन्मभूमि दिगम्बर जैन तीर्थ-बड़ी मूर्ति परिसर में देखते ही देखते ऐसा विकासीय बदलाव आता गया और अप्रैल 30 से मई 7, 2023 की तारीख में यहाँ ऐतिहासिक पंचकल्याणक प्रतिष्ठा एवं महामस्तकाभिषेक महोत्सव से अयोध्या को देश ही नहीं पूरी दुनिया में विशाल जैन तीर्थ का स्वर्णिम सोपान प्राप्त हुआ। पूरे विश्व जैन समाज की दृष्टि इस चमत्कार पर और इस तीर्थ के महत्त्व पर लगातार बनी रही और अब भी निरंतर ही यह तीर्थ अपने नये विकास को लेकर चरम की ओर बढ़ रहा है। इस धरा पर कभी-कभी कोई विरली ही ऐसी घड़ियाँ पुण्योदय में आ जाती हैं कि जो भविष्य के लिए आज मील का पत्थर बन जाती हैं। एक लम्बा समय इन आशाओं से बंधा हुआ था कि क्या कभी अयोध्या का ऐतिहासिक विकास इस जैन समाज को प्राप्त हो पाएगा ? लेकिन कभी इन आशाओं पर निराशा का अंकुश नहीं लग पाया और सतत ही ये आशाएँ सबल होते हुए सन् 2023 में इतनी प्रबल हो गई कि आज इस जैन संस्कृति को भगवान ऋषभदेव, भगवान अजितनाथ, भगवान अभिनंदननाथ, भगवान सुमतिनाथ एवं भगवान अनंतनाथ, वर्तमान के इन पाँचों तीर्थंकरों की जन्मभूमि अयोध्या जैसा महातीर्थ पुनः एक ऐसे जागृत स्वरूप में प्राप्त हो गया कि अब हम भी गर्व के साथ इस बात का आगाज कर सकते हैं कि अयोध्या हमारे जैनधर्म के 5 तीर्थंकरों की ही जन्मभूमि नहीं अपितु यह शाश्वत तीर्थंकर जन्मभूमि के रूप में अनादिकाल से पूज्य और मान्य रही है। ऐसा भी नहीं कि अयोध्या में हमारा अस्तित्व नहीं था लेकिन जो अस्तित्व था, वो इतने गौरवशाली स्वरूप में नहीं था, जिसको लेकर हम अपने अनादिनिधन जैनधर्म की गरिमा को जन-जन के सामने प्रस्तुत कर सकें। यह विकास की दृष्टि आज नहीं अपितु सर्वप्रथम सन्

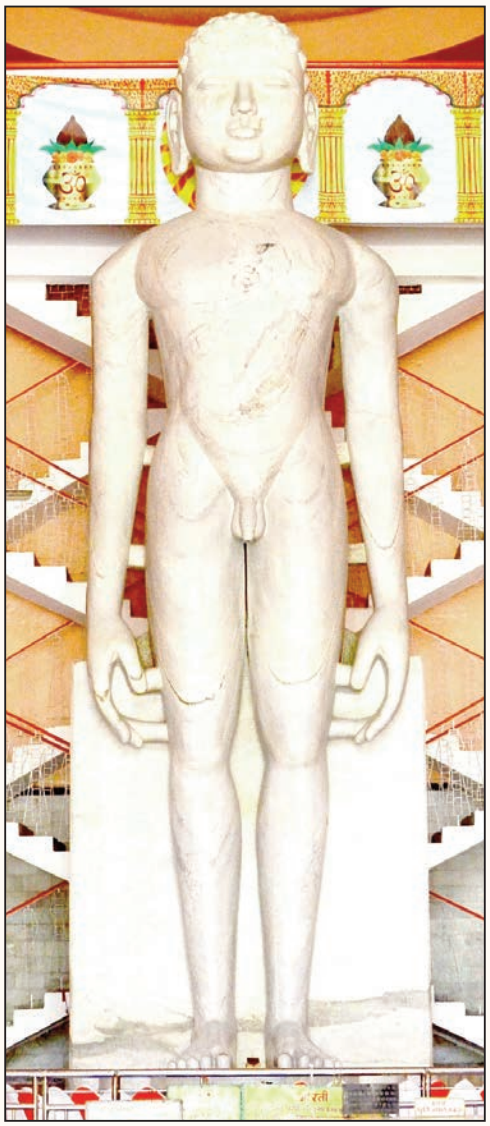

1965 में आचार्यरत्न श्री देशभूषण जी महाराज के उन दिव्य नयनों में प्राप्त हुई, जिनसे उन्होंने इस अयोध्या के लिए नई आशाओं और विकास का स्वप्न देखकर 31 फुट उत्तुंग भगवान ऋषभदेव की विशाल प्रतिमा विराजमान करवाई और सुंदर जिनमंदिर का भी निर्माण हुआ। इससे पूर्व आचार्य श्री देशभूषण जी महाराज की ही कृपा प्रसाद से कटरा मोहल्ले के भगवान सुमतिनाथ जिनमंदिर में भगवान आदिनाथ-भरत - बाहुबली की सुन्दर और विशाल जिनप्रतिमाओं का पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव भी आचार्य श्री के ही सान्निध्य में सन् 1952 में सम्पन्न हुआ था। अतः आचार्य श्री देशभूषण जी महाराज ने सतत अपनी दृष्टि अयोध्या की तरफ रखी और उसके बाद उन्हीं के करकमलों से क्षुल्लिका दीक्षा प्राप्त उनकी शिष्यारत्न वर्तमान की गणिनीप्रमुख आर्यिकाशिरोमणि श्री ज्ञानमती माताजी ने सन् 1994-1995 से इस अयोध्या की जीर्ण-शीर्ण स्थिति को

अपनी दृष्टि में प्रमुख लक्ष्य पर लिया और सतत चरैवेती- चरैवेती के सिद्धान्त पर चलते हुए उन्होंने धीरे-धीरे इस अयोध्या के विकास को एक नया अंदाज प्रदान किया। सर्वप्रथम बड़ी मूर्ति जिनमंदिर परिसर में त्रिकाल चौबीसी जिनमंदिर, समवसरण जिनमंदिर आदि के निर्माण, तीर्थ पर धर्मशाला, भोजनशाला आदि समुचित व्यवस्थाओं का प्रबंध आदि के साथ क्रमशः पाँचों भगवन्तों की टोकों पर सुंदर-सुंदर जिनमंदिरों के निर्माण भी सम्पन्न हुए।

वर्तमान में हो रहा विकास कार्य

पुनः अब इस जैन संस्कृति के आद्य केन्द्र को नई ऊँचाईयाँ प्रदान करने के लिए पूज्य माताजी ने सन् 2019 में अयोध्या तीर्थक्षेत्र कमेटी व समाज को बड़ी मूर्ति परिसर विस्तृत रूप से सजाने-संवारने की प्रेरणा प्रदान की, जिसके फलस्वरूप आज हम सबके मध्य 31 फुट उत्तुंग भगवान भरत प्रतिमा से समन्वित विशाल जिनमंदिर, भगवान ऋषभदेव के मोक्ष प्राप्त 101 पुत्रों का विश्वशांति जिनमंदिर, रत्नमयी प्रतिमाओं वाला तीस चौबीसी जिनमंदिर, तीनलोक रचना एवं सर्वतोभद्र महल जैसी सुन्दर-सुन्दर कृतियाँ विकासशील नजर आ रही हैं। इतना ही नहीं नवम्बर 2019 में पूज्य माताजी द्वारा साक्षात सान्निध्य देकर भगवान भरत जिनमंदिर और विश्वशांति जिनमंदिर का शिलापूजन भी सम्पन्न कराया गया और पुनः इस तीर्थ के विकास की ललक लेकर 89 वर्ष की आयु में हस्तिनापुर से 31 दिसम्बर 2022 को पूज्य माताजी का आगमन अयोध्या में हुआ और 30 अप्रैल से 7 मई 2023 तक यहाँ भव्य तीस चौबीसी तीर्थंकर पंचकल्याणक प्रतिष्ठा एवं महामस्तकाभिषेक महोत्सव सम्पन्न होकर यह जैन संस्कृति का शाश्वत तीर्थ अयोध्या नये प्रकाश को प्राप्त हुआ। इसी नए प्रकाश का विस्तृत वर्णन करने के लिए पाठकों के समक्ष यह आलेख प्रस्तुत किया गया है। साथ ही सभी बंधुओं से यह भी निवेदन है कि इस तीर्थ के विकास में तन-मन-धन के साथ अपना सहयोग प्रदान करें। क्योंकि जैनधर्म में दो ही शाश्वत तीर्थ हैं जिनमें प्रथम शाश्वत तीर्थंकर जन्मभूमि अयोध्या है एवं द्वितीय शाश्वत तीर्थंकर निर्वाणभूमि सम्मेदशिखर जी कहलाती है। अतः दिगम्बर जैन समाज के समस्त बंधुजन अब इस शाश्वत तीर्थ अयोध्या के महत्वपूर्ण विकास में अपना योगदान अवश्य प्रदान करें।

कार्यालय संपर्क
9520554138, 9520554164,
9520554171, 9520554172

जिंदे चरणा च देवता भी औनदे ने, पैरी हत्थ लाके शीश झुका दे

त्याग तप के साथ मनाई गुरु रोशनलाल की पुण्यतिथि

ब्यावर. शाबाश इंडिया

गांधी आराधना भवन में विराजित धैर्यप्रभा जी आदि ठाणा के सान्निध्य में बिरद भवन में घोर तपस्वी पूज्य गुरुदेव रोशनलाल की पुण्यतिथि को तप - त्याग के उपलक्ष्य में मनाया गया। संघ महामंत्री हेमन्त बाबेल ने बताया कि गुरुदेव की 41 वी पुण्यतिथि पर 100 से अधिक श्रावक-श्राविकाओं द्वारा एकासना तप की आराधना की गयी।

श्रद्धा हो तो पत्थर में भगवान नजर आते हैं: साधवी धैर्यप्रभा

महासती द्वारा धर्मसभा को बताया कि हम यदि सच्ची श्रद्धा रखते है तो पत्थर में भी भगवान नजर आते है, जहाँ श्रद्धा न हो तो भगवान समक्ष हो तो भी नजर नही आते हैं। कैकयी के सामने भी राम थे, दुर्योधन के सामने भी कृष्ण थे पर उनकी श्रद्धा नही थी तो उनमें उन्हें भगवान नजर आए ही नहीं। महासती ने गुरुदेव रोशनलाल जी महाराज की जीवनी बताते हुए कई अविस्मरणीय वृतांत बताए। दिल्ली महानगर के त्रिनगर जैन स्थानक में 9 जुलाई 1982 को गुरुदेव का संथारा सहित देवलोक गमन हो गया था।

साध्वी धृतिप्रभा का भी जन्मदिवस

नोरतमल बाफना ने बताया कि 9 जुलाई को साध्वी धैर्यप्रभा जी का जन्मदिवस भी हैं। साध्वी जी का जन्म 1999 में हरियाणा के हिसार जिले में सुराणा खेड़ी में पिता जयवीर सिंह माता सुमन के घर जाट परिवार में हुआ। 8 दिसम्बर 2013 में आपने 14 वर्ष की अल्पायु में गुरुदेव प्रेममुनि के मुखारविंद से सुराना खेड़ी में दीक्षा ग्रहण कर ली। उनकी दीक्षा उनके ग्राम की पहली दीक्षा थी। उनसे प्रेरित होकर उनके ग्राम से चार दीक्षाएं ओर हुई। महासती कंठ कोकिला है जो बड़ी सुंदर शैली में भजन एवं प्रवचन का वाचन करती हैं। दीक्षा के 8वें दिवस से ही उन्होनें प्रवचन देना प्रारम्भ कर दिया था।

ब्यावर शहर में बह रही हैं ज्ञान की गंगा

सम्पतराज छल्लानी के अनुसार प्रतिदिन बिरद भवन में 9 से 10 प्रवचन एवं गांधी आराधना भवन में 12 घण्टे का नवकारमन्त्र का जाप अनवरत चल रहा हैं। श्रावक श्राविका प्रतिदिन साध्वी धार्मिक प्रभा जे द्वारा आगम श्रवण एवं साध्वी धीर प्रभा द्वारा ज्ञान चर्चा का भी आनन्द ले रहे हैं। इस अवसर पर दिवाकर संघ अध्यक्ष देवराज लोढ़ा, महिला मण्डल अध्यक्षा सुशीला लोढ़ा, नवयुवक मंडल अध्यक्ष दीपक बाफना एवं बहु मण्डल अध्यक्षा संध्या छल्लानी ने सभी से पूरे चातुर्मास काल में महासतियाँ जी के सानिध्य में धर्म आराधना करने की अपील की हैं।

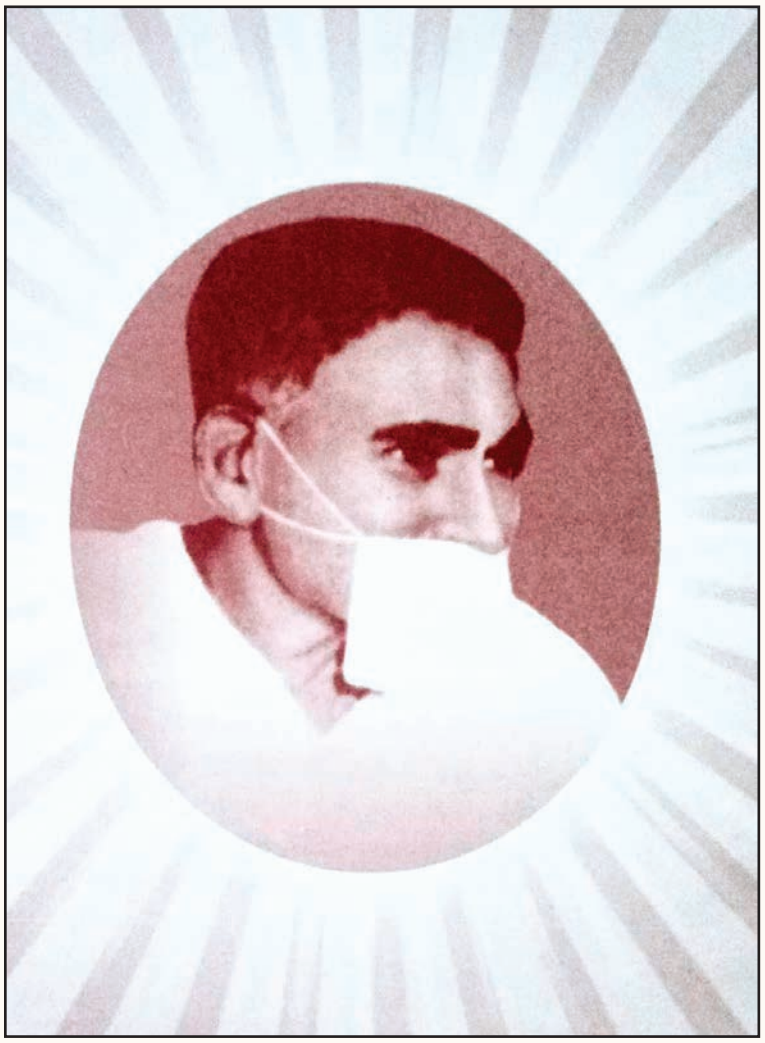

श्री मालेश्वर मंदिर में श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ

जयपुर. शाबाश इंडिया। सांगानेर के महावीर नगर के श्री मालेश्वर महादेव हनुमान मंदिर में श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ हुआ। भागवत कथा से पूर्व 80 फीट रोड स्थित वीर तजाजी मंदिर में महानगर टाइम्स के संस्थापक संपादक डॉक्टर गोपाल शर्मा ने भागवत पूजन कर कलश यात्रा को रवाना किया। कलश यात्रा में 151महिलाएं सिर पर कलश धारण कर मंगल गीत गाती हुई चल रही थीं। बैंड बाजे के साथ कलश यात्रा 80 फीट रोड होते हुए श्री मालेश्वर मंदिर पहुंची। कलश यात्रा में वार्ड 89 के पार्षद गिर्राज शर्मा समाजसेवी बृज मोहन शर्मा राजेंद्र प्रसाद शर्मा सुरेश उपाध्याय बाबूलाल गुप्ता ज्योतिष आचार्य अनुभव शर्मा मुरलीधर शर्मा सत्य नारायण गुप्ता योगेश शर्मा रामजीलाल कजोड़ मल सैनी रामलाल सैनी सुनील गुप्ता रमाकांत गुप्ता प्रकाश गुप्ता रूपनारायण लोकेश शर्मा नीरज पांथरी नंदलाल मौजूद रहे। व्यासपीठ से ब्रजधाम के पं. संजय कृष्ण शास्त्री ने गोकुल जी द्वारा धुंधकारी को मुक्ति का प्रसंग सुनाया वहीं श्रीमद् भागवत कथा का महात्म्य सुनाया कथा का विश्राम 16 जुलाई को सुबह सवा नौ बजे हवन के साथ होगा। कार्यक्रम आयोजन से जुड़े योगेश शर्मा ने बताया कि कथा में सोमवार को सुखदेव जन्म राजा परीक्षित जन्म 11 जुलाई को कपिल अवतार ध्रुव चरित्र सृष्टि की रचना 12 जुलाई को बावन जन्म राम जन्म कृष्ण जन्म नंदोत्सव 13 जुलाई को बाल लीला गोवर्धन पूजा 14 जुलाई को रासलीला उद्धव संवाद रुक्मणी विवाह 15 जुलाई को सुदामा चरित्र परीक्षित मोक्ष सुखदेव विदाई और 16 जुलाई को कथा की पूर्णाहुति एवम प्रसादी का आयोजन किया जाएगा।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

मनुष्य का लोभ मृग्घ तृष्णा की तरह है जो कभी शांत नही होता है: साध्वी प्रितीसुधा

सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। धर्म का सम्बंध आत्मा से होता हैं न की लालच से प्रखर वक्ता डॉ. प्रितीसुधा ने रविवार को अहिंसा भवन शास्त्री नगर में धर्मसभा मे सम्बोधित करते हुए कहा कि इंसान का लोभ एक क्षणिक प्यास की तरह हैं जिसकी पूर्ति के लिए मनुष्य अनैतिक बन जाता है और गलत-काम करने से नही चुकता। वह भूल जाता है कि उसके जीवन की कुछ मर्यादाएं भी हैं। फिर भी वह लालच के चक्कर में इंतना अंधा हो जाता कि उसे सही गलत का ज्ञान नही कर पाता और अपने जीवन पतन कर लेता हैं। व्यक्ति का लोभ लालच उस मृग्घ तृष्णा की तरह जो कभी शांत नही होता जितना पूरा करे उतनी ही बढ़ती जाती हैं। जब व्यक्ति अपनी लालसा और लोभ पर अंकुश नही लगायें तब उसके जीवन में शांति नही मिलने वाली हैं । साध्वी संयम सुधा ने कहा कि लालची और लोभी मनुष्य समाज का कभी हित नही कर सकते हैं। महासती उमराव कंवर साध्वी मधुसुधा ने भी धर्मसभा में विचार व्यक्त कियें । संघ सह मंत्री संदीप छाजेड़ ने बताया कि इसदौरान अनेक भाई बहनों ने साध्वी मंडल से उपवास आयंबिल एकासन व्रत के प्रत्याख्यान लिये। तथा पाली ब्यावर बिजयनगर,अजमेर,उदयपुर, जौधपुर आदि मेड़ता आदि क्षैत्रो से पधारे अतिथीयो का अहिंसा भवन के अध्यक्ष लक्ष्मण सिंह बाबेल,अशोक पौखरना,हेमन्त आंचलिया, तथा चंदन बाला महिला की बहनों ने सभी सम्मान किया तथा दोपहर को महामंत्र नवकार का सामूहिक जाप हुआ।

फिरोजपुर झिरका की धरती पर पांचवा एवं 31वां पावन वर्षायोग कलश स्थापना समारोह हुआ सानंद संम्पन्न

आचार्य काम कुमार नंदी महाराज को मौन रख दी श्रद्धांजलि

शाबाश इंडिया

वर्षायोग केवल श्रमणों का नहीं होता है श्रावकों का भी होता है जहां पर गुरुओं की वाणी से उनके जीवन में आमूलचूल परिवर्तन आता है। वर्षा योग की सार्थकता तभी है जब समाज में एक नई जागृति आए और बुजुर्गों के साथ युवा वर्ग भी धर्म और धार्मिक क्रियाओं में संलग्न हो कर अपने जीवन की दशा और दिशा में परिवर्तन करें उक्त प्रवचन भक्तों से खचाखच भरे हुए पंडाल में 21वीं सदी के वात्सल्य मूर्ति आचार्य श्री ज्ञान भूषण महाराज ने 31 में पावन वर्षा योग कलश स्थापना समारोह में व्यक्त किए।मनोज्ञ धाम कमेटी के अध्यक्ष दीपक जैन शैलू व जैन समाज फिरोजपुर झिरका के अध्यक्ष मुरारी लाल जैन के अनुसार आचार्य संघ में पांच सन्त विराजमान हैं और आचार्य श्री का यह फिरोजपुर झिरका में पांचवा ही वषायोग हो रहा है।इस अवसर पर धर्म वत्सल प्रभाविका क्षुल्लिका ज्ञान गंगा माताजी ने कहा कि फिरोजपुर वालों की धर्म की प्यास बहुत बड़ी है या उनका वात्सल्य का पात्र हर बार पूरा नही भर पाता है इसी कारण इस धरा पर यह पांचवा वषायोग हो रहा है। कार्यक्रम में क्षुल्लक ऋजुभूषण, क्षुल्लिका ज्ञान वर्षा, ज्ञान वाणी,भारती दीदी भी उपस्थित रही। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय कवि कमलेश बसन्त ने कहा कि आचार्य श्री वात्सल्य से भरपूर भक्तों पर स्नेह बरसाने वाले सन्त हैं। **मंगल कलश हुए स्थापित:** इस अवसर पर प्रथम व मुख्य कलश स्थापना करने का सौभाग्य दुलीचन्द जैन अभिषेक जैन साडोली वाले अलवर निवासी परिवार को प्राप्त हुआ तो वही अन्य कलश ज्ञानचंद मुकेश कुमार जैन अलवर वाले फरीदाबाद निवासी एवं हरिप्रसाद धीरज कुमार,गौरव कुमार फिरोजपुर झिरका परिवार द्वारा स्थापित किये गये। इस अवसर पर पाद प्रक्षालन दौलत कुमार अशोक जैन सीकरी व शास्त्र भेंट जगदीश जैन जिनेंद्र जैन फिरोजपुर झिरका परिवार द्वारा किये गये। इस अवसर पर सरला जैन अलवर, संजय जैन बड़जात्या कामां ने भी अपने विचार प्रकट किए। भव्य एवं सुसज्जित मंच पर आगंतुक अतिथियों का फिरोजपुर झिरका जैन समाज द्वारा स्वागत अभिनंदन किया गया तो वही वृक्षारोपण का संदेश भी वृक्ष भेंट कर दिया गया। इस अवसर पर बच्चों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गई तो वही सास बहू मंडलों ने भी मनोरम प्रस्तुति प्रस्तुत की दिल्ली के संगीतकार पारस अम्बर ने मधुर संगीत लहरियों ने कार्यक्रम में समा बांध दिया। आचार्य काम कुमार नंदी को दी श्रद्धांजलि परम पूज्य आचार्य श्री कुन्थु सागर जी महाराज के शिष्य आचार्य काम कुमार नंदी महाराज की निर्मम हत्या करने पर जहां रोष प्रकट किया गया तो वही आचार्य संघ के सानिध्य में उपस्थित जैन समुदाय ने दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की। सभी ने एक स्वर से इस निर्मम हत्या कांड की भर्त्सना करते हुए कहा कि अतिशीघ्र जैन संतों की सुरक्षा की व्यवस्था सरकारों के द्वारा की जाय। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में फिरोजपुर के साथ साथ दिल्ली, मोदीनगर, अलवर,कामां, जुरहरा, पलवल, कोसीकलां, होडल, नगीना, नोगावां, लक्ष्मणगढ़, रामगढ़, फरीदाबाद, पहाड़ी, बोलखेड़ा व दूर दराज से श्रावक व श्राविकाएं उपस्थित थे।

चातुर्मास 2023 के मंगल कलश स्थापना समारोह आयोजित

चातुर्मास 2023 के मंगल कलश स्थापना समारोह आयोजित

निवाई. शाबाश इंडिया। जैन नसियां मंदिर संत निवास में मुनि शुद्ध सागर महाराज के सानिध्य में चातुर्मास मंगल कलश स्थापना समारोह रविवार को धूमधाम से मनाया। जहाँ मंगल कलश स्थापना कार्यक्रम का शुभारंभ समाजसेवी श्रेष्ठी अशोक कुमार सुशील कुमार जैन कटारिया परिवार ने ध्वजारोहण के साथ किया जिसमें पण्डित प्रदीप शास्त्री मध्यप्रदेश के विधिवत मंत्रोच्चार एवं पूजा अर्चना द्वारा किया गया। जैन समाज के प्रवक्ता विमल जौंला ने बताया कि मुनि शुद्ध सागर महाराज एवं अकम्प्य सागर महाराज के 2023 चातुर्मास को लेकर रविवार को सुबह ध्वाजारोहण की शुरूआत हुई। ध्वजारोहण एवं चातुर्मास मंगल कलश स्थापना की समस्त क्रिया विद्वानों द्वारा सम्पन्न करवाई गई। इसी प्रकार सुनील भाणजा ने बताया कि गांव गुन्सी स्थित सहस्त्रकूट जिनालय विज्ञा तीर्थ मे गणिनी आर्यिका विज्ञा श्री माताजी के सानिध्य में चातुर्मास मंगल कलश स्थापना का ध्वजारोहण एडवोकेट राजकुमार जैन कासलीवाल मालपुरा के परिवार को सोभाग्य मिला। कार्यक्रम में हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लेकर पुण्यार्जन किया। ध्वजारोहण कार्यक्रम में महावीर प्रसाद पराणा सुशील जैन आरामशीन विष्णु बोहरा विजय जैन अमित कुमार अखिल कुमार सरोज जैन प्रभा कटारिया त्रिलोक जैन हेमचंद जैन विमल सोगानी पुनित संधी नवरत्न टोंग्या त्रिलोक रजवास अशोक बिलाला हितेश छाबड़ा प्रेमचंद बिलाला नरेश बनेठा महेश मोठूका सुरेन्द्र टोंग्या सहित अनेक लोग मौजूद थे।

साहूकार पेठ मे प्रवचन में भक्तो का उमड़ा जनसैलाब

सारे तीरथ एक तरफ मां बाप की सेवा एक तरफ : महासाध्वी धर्मप्रभा

चैन्नई. शाबाश इंडिया। सारे तीरथ एक तरफ मां बाप की सेवा एक तरफ। रविवार को साहूकार पेठ जैन भवन में दक्षिण धर्म प्रचारिका महासाध्वी धर्मप्रभा ने हजारों श्रध्दालुओं से धर्मसंदेश प्रदान करतें हुए कहा कि इंसान चारों धाम की यात्रा करलें लेकिन मात - पिता की सेवा नहीं कर सकता हैं।तो उसकी तिरथ यात्रा अधूरी हैं। मां बाप की सेवा करना भगवान की पूजा अर्चना करने समान हैं।और हमारा धर्म भी हैं। उनकों सताने और दुखः देनें वालो को परमात्मा भी माफ नही करते हैं। पुत्र हो तो श्रवण कुमार जैसा आज्ञाकारी,सेवा भावी और विनयवान जिसने जन्म देने वाले माता पिता को साक्षात भगवान की तरह देखा उनकी सेवा ही श्रवण कुमार के जीवन का ध्येय था। वर्तमान समय में हम क्या देखते है कि घर परिवार और समाज में नई पीढ़ी में बुजुर्गों का तिरस्कार मात पिता गुरूजनों की अलवेलना उनकी सेवा से मूह मोड़ना बड़ो से दूरीया बनाये रखना उन्हे मानसिक तनाव देना आदि विकृतियां पनप रही हैं। यही स्थितिया समाज और परिवार के लिए बड़ी भय्याव एवं घातक सिध्द हो रही हैं । परिणाम स्वरूप युवा पीढ़ी में संस्कारों अनुभव बड़पन की कमी होती जा रही है विकृति मानसिकता और दुरव्सनो के कारण आज का युवा जीवन की जंग मे जल्दी हार जाता हैं। ऐसा युवा जीवन में कभी भी आर्दश बेठा भाई पिता पति नही बन सकता हैं। संघ समाज में प्रतिष्ठा प्राप्त नही कर सकता हैं। इस दौरान तपस्वी बहन नीतू दुग्गड़ ने आठ उपवास साध्वी धर्मप्रभा साध्वी स्नेहप्रभा से सभा मे प्रत्याख्यान लिये। इस दौरान साहूकार पेठ एस. एस.जैन संघ के अध्यक्ष एम.अजितराज कोठारी, मुख्य मार्गदर्शक मोहनलाल गढ़वानी कार्याध्यक्ष महावीर चन्द सिसोदिया,सुरेश डूगरवाल हस्तीमल खटोड़,पदमचंद ललवानी, महावीर चन्द कोठारी, बादलचन्द कोठारी, जितेंद्र भंडारी,एन राकेश कोठारी, माणक चन्द खाब्या,मोतीलाल ओस्तवाल, शांति लाल दरणा अशोक कांकरिया,भरत नाहर आदि पदाधिकारियों और महिला मंडल की बहनो ने तप की अनूमोदना करते हुये अभिनन्दन किया गया। प्रवक्ता सुनिल चपलोत ने बताया कि धर्म सभा मे विल्लीवाकम नेहरू बाजर, स्नेह नगर पुरूषावाकम,चिंताधारी पेठ,चगलपेठ आदि अनेकों उपनगरों के श्रध्दालुओं की उपस्थिति रही।

परम पूज्य गणाचार्य 108 श्री विराग सागर गुरु महाराज की चातुर्मास कलश स्थापना हुई

रमेश गंगवाल. शाबाश इंडिया

श्रेयांस गिरी जिला पन्ना मध्यप्रदेश। आचार्य भगवंत गणाचार्य 108 श्री विराग सागर गुरुदेव ससंघ के चतुर्मास कलश की स्थापना एवं गुरु पूर्णिमा के दिवस पर, मुनि संघ प्रबंध समिति के कार्यकारिणी सदस्य अनुज बड़जात्या ने मुख्य तीन कलशों में से द्वितीय कलश हेतु अपनी चंचला लक्ष्मी का उपयोग कर महती धर्म प्रभावना की तथा जीवन में सदा ही मंगल करने वाला मंगल कलश जिसकी गुरुवर के कर कमलों से मंत्रों च्चारित होकर स्थापना हुई। जो चातुर्मास संपन्न होने के पश्चात उन्हें प्राप्त होगा। गुरु शिष्य का संबंध अद्भुत होता है ।मुनी संघ प्रबंध समिति के महामंत्री ओम प्रकाश जी काला कोषाध्यक्ष मुकेश जैन ब्रह्मपुरी सह कोषाध्यक्ष राजेंद्र पापडीवाल एवं सदस्य अनुज गुरु महाराज के पाद मूल में पहुंचे, तो गुरुदेव के मुख से अनायास ही शब्द प्रस्फुटित हो गए। उन्होंने काला साहब (मामा जी) से कहा तुम तो गुरु भक्त ही नहीं, गुरु भक्त शिरोमणि हो। यह कहकर आचार्य भगवान ने अपने कर कमलों में अवस्थित रही पिच्छी को प्रदान कर दिया।

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप तीर्थंकर द्वारा पिकनिक का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप तीर्थंकर जयपुर की सावन में पहली पिकनिक बाहरली आमेर में श्री नेमीनाथ भगवान के मंदिरजी में आयोजित की गई। सभी सदस्य ठीक 10 बजे मंदिर प्रांगण में पहुंचे तथा बराबर वाले मंदिर जी में उपाध्याय श्री ऊर्जन्त सागरजी के दर्शन कर वापस नेमीनाथ भगवान के मंदिर में पधारे व भक्तामर का पाठ किया ।इसके बाद सबने गर्मागर्म नाश्ते का लुफ्त उठाया व वर्षा के मौसम में चाय-ऊकाली का आनन्द लिया ।इसके बाद कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। सबसे पहले मंगलाचरण हुआ जिसे सुरेश गंगवाल,आभा गंगवाल,सुमत जैन,मंजू बडज्याता, कैलाश चन्द जैन, बीना जैन, शशिजैन, मंजू शाह,नवरतन ठोलिया, स्नेहलता, वीणा डिग्गीवाली,कमलेश पाटनी व डां शान्ति जैन ''मणि'' ने बड़े ही मनोभाव से किया। इसके बाद भगवान का चित्र अनावरण कैलाश चन्द जैन-बीना जैन ने व दीपप्रज्जवलन सुमत-मंजू बडज्याता ने किया। इनका तिलक, माला, दुपट्टे से स्वागत किया गया।

रोटरी आत्मरक्षा कार्यशाला का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

रोटरी क्लब जयपुर के तत्वावधान में 1 दिवसीय ''रोटरी आत्मरक्षा कार्यशाला'' का सफल आयोजन 9 जुलाई 2023 को राजस्थान हाई कोर्ट में किया गया। कार्यशाला में एडवोकेट महिलाओं एवं बच्चों को ट्रेनिंग दी गई। शिहान हेमंत कुमार, सेंसई इंद्रा कुमारी एवं उनकी टीम और रोटे डॉ पल्लवी सिंघवी, चेयरमैन रोटरी सेल्फ डिफेन्स एकेडमी द्वारा विभिन्न शारीरिक और गैर-शारीरिक आत्मरक्षा तकनीकों के बारें में विस्तार से समझाया गया। प्रोग्राम में राजस्थान हाई कोर्ट बार एसोसिएशन जयपुर की संयोजक मिस शिल्पा ने रोटरी क्लब जयपुर के अध्यक्ष रोटे उजास चंद जैन, सचिव रोटे पीयूष जैन एवं अन्य पदाधिकारियों को धन्यवाद ज्ञापित किया। रोटरी क्लब जयपुर के द्वारा सभी को सर्टिफिकेट भेंट किए गए।

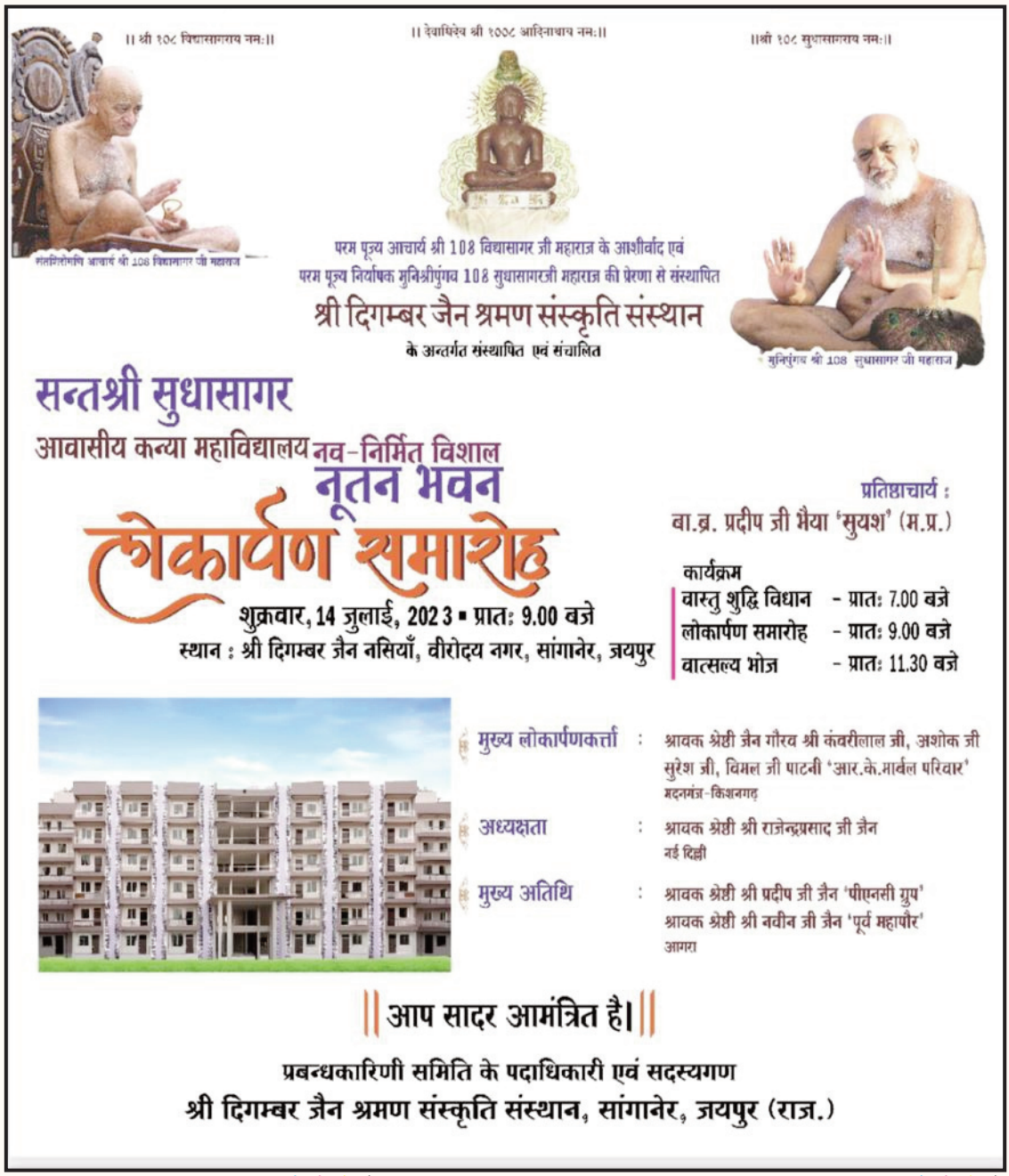

आदिनाथ जैन मंदिर मीरा मार्ग मानसरोवर में भव्य चतुर्मास कलश स्थापना हुई

जयपुर. शाबाश इंडिया

परम पूज्य मुनि सवानंद जी महाराज मुनि जिनानंद जी महाराज एवं मुनि पुण्यानंद जी महाराज के भव्य चतुर्मास की कलश स्थापना हुई। मंदिर समिति के मंत्री राजेंद्र कुमार सेठी ने बताया कि ध्वजारोहण स्वर्गीय नेमीचंद गंगवाल के परिवार ने किया पांडाल उद्घाटन हुकम चंद बुद्धि प्रकाश जैन ने किया प्रथम लशलेने का सौभाग्य अशोक अंकित चांदवड वसुंधरा कॉलोनी को प्राप्त हुआ दूसरा कलश सुशील रोहित पहाड़िया को प्राप्त हुआ। उसके बाद 3 कलश राजेंद्र कुमार अरविंद कुमार सेठी कुचीलवाले राजेश सतीश पंकज काला को एवं अजीत वैभव जी तोतूका बापू नगर वालों को प्राप्त हुआ। समिति के सांस्कृतिक मंत्री जंबू सोगाणी नेबताया कि मुनी संघ को शास्त्र भेंट करने का सौभाग्य महेंद्र अनिल रावका को प्राप्त हुआ। इस अवसर पर पूज्य मुनि जिनानंद जी महाराज ने प्रवचन में बताया कि सकल दिगंबर जैन समाज जयपुर में एक णमोकार महामंत्र की माला का जाप अनुष्ठान कराया जाएगा जिसके बारे में शीघ्र ही सूचना प्रसारित कर दी जाएगी। मुनि श्री ने बताया कि इस जाप माला से पूरा जयपुर जैन समाज जुड़कर लाभ ले सकता है। मुनि संघ के पाद प्रक्षालन करने का सौभाग्य राजेश सतीश पंकज काला को प्राप्त हुआ। इस अवसर पर राजस्थान जैन सभा के अध्यक्ष सुभाष जैन और महामंत्री मनीष जी बैद ने पधार कर मुनि संघ को श्रीफल भेंट किया। अनिल जैन पदम जी बिलाला प्रकाश चांदवड पवन धीरज पाटनी राजीव पाटनी एमपी जैन राजीव लाखना प्रदीप जैन आदि गणमान्य अतिथियों ने पधार कर मुनि श्री को श्रीफल भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया अंत में समिति के अध्यक्ष सुशील पहाड़िया ने सभी को धन्यवाद दिया।